Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 35, मंगलवार, 27 फरवरी 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

साथी को छुड़ाने के लिए पुलिस पर फेंका ग्रेनेड, उल्टा पड़ गया हमला

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में एक पुलिस थाने पर आतंकियों के ग्रेनेड से हमला किया। इस हमले के बाद हिरासत में बंद उनके एक साथी की मौत हो गयी। आतंकियों ने अपने साथी को छुड़ाने के लिए थाने पर ग्रेनेड से हमला किया था। पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि हमले में आतंकी संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन के सदस्य मुश्ताक अहमद चोपन की मौत हो गयी। घटना के समय वह बुर्का पहनकर त्राल पुलिस स्टेशन से भागने की कोशिश कर रहा था। घटना में पुलिस कांस्टेबल मेहराज दीन भी घायल हो गए।

न्यूयॉर्क और लंदन से भी आगे निकली मुंबई, मोटी सैलरी के लिए 'विदेशियों' की बनी पहली पसंद

मुबई। मुंबई एक ऐसा शहर जहां हर कोई बड़े सपने लेकर आता है और उन्हें पूरा करने की पूरी कोशिश करता है। मुंबई में जहां देश के कोने-कोने से लोग कमाने आते हैं वहीं मोटी सैलरी के लिए विदेशियों की पहली पसंद मुंबई बन गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक मुंबई विदेशियों को मिलने वाली सैलरी के मामले में टॉप पर है। हाल ही में एचबीसी बैंक इंटरनेशनल के एक सर्वे के मुताबिक मुंबई में काम करने वाले विदेशियों की सलाना कमाई 2.17 लाख डॉलर (1.40 करोड़ रुपये) है। इस कमाई का आंकड़ा ग्लोबल एक्सपैट ऐवरेज का दोगुना है। सर्वे में टॉप 10 एक्सपैट शहरों में शंघाई, जकार्ता और हॉन्ग कॉन्ग जैसे अन्य एशियाई देश शामिल हैं। इस रिपोर्ट के मुताबिक एशिया में काम करने वाले विदेशियों को फाइनैंशली सपोर्ट किया जाता है, जिसमें मुंबई शामिल है। एचएसबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक 1.8 करोड़ से ज्यादा जनसंख्या वाले शहर मुंबई में रोजगार के अवसर अमेरिका और यूके के कई शहरों जैसे लंदन, सन फ्रेन्सिस्को, न्यूयॉर्क से कम है। एचएसबीसी एक्सपैट के हेड ने बताया कि लोगों के लिए अमेरिका और यूके के फाइनैंशल और टेक हब्स में जॉब के लिए पहली पसंद है। यूरोप का डबलिन टेक सेंटर डबलिन एक्सपैट के लिए रोजगार के अवसरों के मामले में टॉप 5 में शामिल है लेकिन एक्सपैट की औसत सैलरी के मामले में वह ग्लोबल औसत से कम है। बता दें कि इसके पहले एक्सपैट सैलरी के मामले में स्वीट्जरलैंड इस रैंकिंग में टॉप पर था।

विजेंद्र गुप्ता की शिकायत पर एनसीआर दर्ज

नई दिल्ली। भाजपा नेता विजेंदर गुप्ता ने यह आरोप लगाते हुए एक शिकायत दर्ज कराई है कि आप के एक पदाधिकारी ने उन्हें ट्वीटर पर धमकी दी है। इसके बाद पुलिस ने एक मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि पुलिस ने कल रात आपराधिक धमकी के आरोप में एक गैर संज्ञेय रिपोर्ट एनसीआर दर्ज की। गुप्ता ने गत शुक्रवार को आरोप लगाया था कि आप नेता दिलीप कुमार ने उन्हें माइक्रो ब्लागिंग साइट पर हमले की धमकी दी थी। अधिकारी ने बताया कि गुप्ता ने संसद मार्ग पुलिस थाने में एक शिकायत दर्ज कराई और मामले की जांच की जा रही है। गुप्ता दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता भी हैं। भाजपा नेता गुप्ता ने एक ट्वीट करके दिल्ली के मुख्य सचिव पर गत सप्ताह मुख्यमंत्री आवास पर आप के विधायकों द्वारा कथित हमले के खिलाफ टिप्पणी की थी।

चालक को अगवा कर ट्रक लेकर बदमाश फरार

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के कीर्ति नगर थाना इलाके में कुछ बदमाशों ने एक ट्रक चालक को अगवा कर भागे और गुरुग्राम में ट्रक चालक को ट्रक से उतारकर ट्रक लेकर फरार हो गए। पीड़ित की पहचान उत्तम नगर निवासी सत्यजीत (34) के रूप में हुई। घटना के बाद किसी तरह से पीड़ित ने मामले की सूचना पुलिस देकर केस दर्ज कराया। सत्यजीत पेशे से ट्रक चालक है। बीती देर रात वह कीर्ति नगर के पास सड़क किनारे ट्रक खड़ा कर ट्रक के ही अंदर सो रहा था। रात करीब दो बजे अचानक दो युवक ट्रक में घुस आए।
पीड़ित ने विरोध किया तो वे जान से मारने की धमकी देने लगे। इसी बीच एक बदमाश ने दूसरे बदमाश को कहा कि आगे जो कार चल रही है ट्रक उसी के पीछे ले लो। ट्रक गुरुग्राम की तरफ बढ़ने लगी। मानेसर आने के बाद बदमाशों ने पीड़ित को ट्रक से नीचे उतारा और ट्रक लेकर फरार हो गए। फिलहाल पुलिस पीड़ित के बताए गए हुलिए के आधार पर बदमाशों की तलाश कर रही है।

अन्ना ने भरी आंदोलन की हुंकार, बोले- 'अंग्रेज चले गए पर लोकतंत्र नहीं आया'

लखनऊ। भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम चलाने वाले जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने केन्द्र सरकार पर लोकपाल बिल को कमजोर करने का आरोप लगाया है। कहा कि वह इसके लिए 23 मार्च से दिल्ली के रामलीला मैदान में फिर से सत्याग्रह करेंगे ।

'अंग्रेज चले गए लेकिन लोकतंत्र नहीं आया'

हजारे ने सोमवार को काकोरी में कहा कि वह 23 मार्च को सशक्त लोकपाल और लोकायुक्तों की नियुक्ति के साथ चुनावी सुधारों की मांग को लेकर दिल्ली के रामलीला मैदान में सत्याग्रह करेंगे। इसके मद्देनजर वह दो दिवसीय दौरे पर यहां आये हैं। उन्होंने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इस सरकार ने पुराने लोकपाल बिल को कमजोर करने का काम किया है, जिस कारण देश में भ्रष्टाचार के रास्ते खुल गए हैं। उन्होंने कहा कि देश से भले ही अंग्रेज चले गए लेकिन यहां अभी ऐसा लोकतंत्र नहीं आया जिसकी कल्पना की थी। देश में किसान आत्महत्या कर रहे हैं फिर भी सरकारें उनका ध्यान नहीं दे रही हैं।

'सरकार की मंशा पर शक'

हजारे ने कहा कि देश में लोकपाल और लोकायुक्त की नियुक्त का कानून 2013 में पारित हो चुका है, लेकिन पांच साल बीत जाने के बाद भी इस पर अमल नहीं किया गया है। इतना ही नहीं इतने लंबे समय तक कानून को लटकाए रखने की वजह से सरकार की मंशा पर पूरे देश को शक पैदा होने लगा है। सामाजिक कार्यकर्ता ने कहा कि सरकार इसके प्रावधानों में संशोधन करके उसके पूरे उद्देश्य को ही समाप्त कर देना चाहती है। उन्होंने किसानों की फसलों का उचित मूल्य दिलाने और स्वामीनाथन आयोग की अनुशंसाओं को तत्काल लागू करने की मांग की। अन्ना ने कहा, 'मैंने लोकपाल लाने के लिए 16 दिन तक अनशन किया। पूरा देश मेरे साथ खड़ा हो गया। मेरे आंदोलन से सरकार डर गई थी कि कहीं मौजूदा सरकार न गिर जाए लेकिन सरकारें ये नहीं जानती हैं कि देश में सरकार गिराने की शक्ति सिर्फ जनता के पास है। मैं 23 मार्च से फिर धरने पर बैठ रहा हूं इस दिन को मैंने इसलिए चुना है कि यह शहीदों का दिन है।'

स्कूल परिसर से पाइपलाइन गुजारने की अनुमति न देने के बाद विधायक ने एचओएस को धमकाया

विधायक ने स्कूल प्रमुख से कहा, अपना बोरिया बिस्तरा बांध लीजिए

नई दिल्ली। महरौली से आप विधायक नरेश यादव पर कुतुब स्थित एक राजकीय विद्यालय के स्कूल प्रमुख (एचओएस) ने धमकाने का आरोप लगाया है। सवरेदय बाल सीनियर सेकेंडरी विद्यालय, कुतुब के स्कूल प्रमुख अमित पांड्या ने इस संबंध में शिक्षा निदेशक को चिट्ठी लिखी है और बताया है कि विधायक ने उन्हें फोन पर अपना बोरिया बिस्तरा बांध लेने की धमकी दी है। शिक्षा निदेशक से की गई शिकायत में स्कूल प्रमुख ने कहा कि विधायक जबरदस्ती स्कूल परिसर से पाइपलाइन गुजारने का दबाव बना रहे हैं। जबकि यह छात्रों की सुरक्षा और विद्यालय के संचालन की दृष्टि से सही नहीं है। पहले भी इन पाइपलाइनों के फटने से जलभराव की कई समस्याएं हो चुकी हैं, जिससे छात्रों को विद्यालय आने और विद्यालय संचालन में काफी दिक्कतें आती है। पांड्या ने लिखा है कि मैंने इस संबंध में इस्टेट ब्रांच को फाइल भेज दी और कहा कि मैं परिसर से पाइपलाइन गुजारने की अनुमति देने के लिये अधिकृत नहीं हूं। इसके बाद विधायक नरेश यादव का फोन आया और उन्होंने डीडीई के लिये **शिक्षा निदेशक से की गई शिकायत में स्कूल प्रमुख ने कहा कि विधायक जबरदस्ती स्कूल परिसर से पाइपलाइन गुजारने का दबाव बना रहे हैं। जबकि यह छात्रों की सुरक्षा और विद्यालय के संचालन की दृष्टि से सही नहीं है। पहले भी इन पाइपलाइनों के फटने से जलभराव की कई समस्याएं हो चुकी हैं, जिससे छात्रों को विद्यालय आने और विद्यालय संचालन में काफी दिक्कतें आती है।** अपमानजनक शब्द प्रयोग किये, मुझे फाइल को आगे भेजने के बारे में पूछा और फिर धमकाते हुये कहा कि अपना बोरिया बिस्तर बांध लीजिए।

पांड्या ने कहा कि वे स्कूल परिसर से गुजरने वाली पाइपलाइनों को बदलने के लिए अनुमति देने के लिए दबाव बना रहे थे, जिसकी अनुमति देना मेरे अधिकार क्षेत्र में नहीं है।

पत्र में स्कूल प्रमुख ने निदेशक से सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है और आगे की कार्रवाई के बारे में पूछा है। उन्होंने कहा कि मेरा परिवार भी असुरक्षित महसूस कर रहा और मैं मानसिक तनाव में हूं।

शिक्षकों की सुरक्षा को लेकर सिसोदिया ने एलजी को लिखा पत्र

नई दिल्ली। पिछले दिनों नरेला में एक अध्यापक के साथ मारपीट को लेकर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने चिंता जताई है। सिसोदिया ने एलजी अनिल बैजल को पत्र लिखकर अध्यापकों की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है।उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने एलजी को लिखे पत्र में तंज कसते हुए कहा कि एक वरिष्ठ अधिकारी के आरोप पर पुलिस ने काफी सक्रियता दिखाई है, लेकिन अध्यापकों की सुरक्षा को लेकर किसी को परवाह नहीं है।गौरतलब है कि 21 फरवरी को नरेला के एक सरकारी स्कूल में अध्यापक के साथ गाली-गलौच व हाथापाई की गई थी। सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने स्कूल मैनेजमेंट कमेटी की बैठक में भरोसा दिलाया था कि छुट्टी के दौरान स्कूल गेट के बाहर पुलिस वैन रहेगी, पुलिसकर्मी मौजूद रहेंगे। इसके बावजूद कुछ हुआ नहीं। हालत पूर्ववत हैं। सिसोदिया ने अपने पत्र में लिखा कि एक अधिकारी के आरोप पर 24 घंटे में पुलिस ने दो विधायकों को गिरफ्तार कर लिया और अदालत में रिमांड पर लेने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाया, लेकिन एक अध्यापक के साथ हुई बदसलूकी पर पुलिस ने कोई कदम नहीं उठाया।

मुख्य सचिव मामला:

ऑफिशियल मीटिंग की लाइव स्ट्रीमिंग पर विचार कर रही है सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार मुख्यमंत्री निवास में पिछले सप्ताह मुख्य सचिव अंशु प्रकाश पर हुए कथित हमले के बाद अधिकारियों की सभी बैठकों की लाइव स्ट्रीमिंग करने पर विचार कर रही है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निवास पर 19 फरवरी को एक बैठक के दौरान आप विधायकों और अन्य लोगों ने प्रकाश पर कथित तौर पर हमला कर दिया था। सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि योजना के अनुसार बैठकों की लाइव फीड आवाज के साथ एक वेबसाइट पर मुहैया कराई जाएगी।

उन्होंने कहा कि योजना को पारित कर दिया गया है और आगामी बजट में इस संबंध में बजट भी आवंटित किया जाएगा। अधिकारी ने कहा, ''आधिकारिक बैठकों की लाइव स्ट्रीमिंग से लोग ये जान पाएंगे कि बैठक में किसने क्या कहा, चाहे वे निर्वाचित प्रतिनिधि हो या अधिकारी। उन्होंने कहा कि फाइल के आवागमन और नोटिंग को भी ऑनलाइन करने की योजना है। अधिकारी ने कहा, ''फाइल के आवागमन और नोटिंग को भी ऑनलाइन करने की योजना है ताकि लोग ये देख पाएं कि किसने कितनी देर तक फाइल पर काम किया, किसने उसे अनुमति दी और किसने किसी विशेष फाइल पर क्या लिखा, चाहे वे निर्वाचित सरकार हो या अधिकारी। आप सरकार पहले भी यह आरोप लगा चुकी है कि कुछ अधिकारी शहर के प्रशासनिक कार्यों में बाधा उत्पन्न करते हैं। मुख्य सचिव पर कथित हमले के बाद से ही अधिकारी मुख्यमंत्री और उसके मंत्रिमंडल कर्मियों की बैठक में शामिल नहीं हो रहे हैं। वे केजरीवाल से घटना पर माफी मांगने की मांग कर रहे हैं।

जीवन में बड़ा कुछ कर गुजरने का जज्बा रखें छात्र : गोयल

नई दिल्ली। केन्द्रीय राज्यमंत्री विजय गोयल ने कहा कि विद्यार्थियों को जीवन में कुछ बड़ा करने का जज्बा लेकर चलना चाहिए। गोयल ने यहां आयोजित वार्षिक लाइवलीहुड व स्किल सम्मेलन में यह बात कही। इसका आयोजित इन्द्रप्रस्थ एकेडमी ने वी गार्ड इंडस्ट्री लिमिटेड के सहयोग से किया। इस अवसर पर यूएनआई के चेयरमैन विास त्रिपाठी, स्कूल ऑफ वोकेशनल एजुकेशन टाटा इंस्टीटयूट ऑफ सोशल साइंसेज की डीन डॉ नीला दबीर , पॉवर सेक्टर स्किल काउंसिल के सीईओ विनोद बेहरी और राष्ट्र निर्माण के फाउंडर विजय जिंदल उपस्थित थे। इस मौके पर श्री गोयल ने विद्यार्थियों को चांदनी चौक के विकास की गाथा सुनाई। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं के लिए वन स्टॉप हेल्पडेस्क बनाया गया है। इस मौके पर वी गार्ड कंपनी ने प्रशिक्षुओं को वेतन को चेक प्रदान किया। इस मौके पर प्रशिक्षुओं को पास होने के प्रमाणपत्रों से भी नवाजा गया। इस मौके पर वी गार्ड कंपनी के वरिष्ठ अधिकारीगणों ने भी सम्मेलन में शिरकत की।

25 साल से कम उम्र वालों को शराब परोसने पर होगी कड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने सभी शराब विक्रेताओं, होटलों, क्लब, बार और पब को कम उम्र के ग्राहकों को शराब की बिक्री करने और शराब परोसने के प्रति चेताते हुए कहा कि नियम का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ लाइसेंस रद्द करने सहित कड़ी कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली आबकारी नियम के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी में 25 साल से कम उम्र के लोगों को शराब परोसना अपराध है और सरकार कड़ाई से इसका पालन कराएगी । सरकारी अधिकारी ने बताया कि ग्राहक की उम्र के बारे में किसी तरह का संदेह होने पर शहर के क्लब, बार, पब, शराब विक्रेता ''उम्र का सबूत' दिखाने के लिए कह सकते हैं जिससे कि पता चले कि खरीदार की उम्र 25 साल से कम नहीं है। अधिकारी ने कहा कि दिल्ली आबकारी कानून 2009 की धारा 23 के तहत कोई भी व्यक्ति या लाइसेंसधारी विक्रेता या उसका कर्मचारी या एजेंट 25 साल से कम उम्र के लोगों को शराब की बिक्री या आपूत्तर् नहीं कर सकते। हम कम उम्र के ग्राहकों को शराब परोसना या बिक्री करने को गंभीर अपराध मानते हैं। अधिकारी के मुताबिक दिल्ली आबकारी कानून के तहत दोषी प्रतिष्ठानों के खिलाफ अपराध साबित होने पर लाइसेंस निलंबित या रद्द और भारी जुर्माना लगाए जाने सहित कड़ी कार्रवाई की जा सकती है।

मॉक संसद में शामिल युवाओं ने संसदीय व्यवस्था की तस्वीर को किया जीवंत

देश बदलने के लिए जरूरी है युवा राजनीति को समझें : तिवारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी की ओर से रविवार को मॉक संसद का आयोजन किया गया।

मॉक संसद का आयोजन संसद भवन परिसर में स्थित जीएमसी बालयोगी सभागार में किया गया। इसमें 544 युवाओं ने भाग लिया। इसका उद्घाटन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी एवं संयोजन भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष अंजली राणा ने किया।

संसदीय कार्य राज्यमंत्री डॉ अजरुन राम मेघवाल, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू ने मॉक संसद में शामिल युवाओं को संसदीय व्यवस्था और कार्यपग्राली के तौर तरीके समझाए। मॉक शामिल युवाओं ने पक्ष विपक्ष एवं विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के सांसदों की भूमिका में शून्यकाल प्रश्नकाल एवं लघु कालिक चर्चा की संसदीय कार्यवाही को जीवंत किया। मॉक संसद में आयोजित सदन में केंद्र सरकार के 2018- 19 के बजट पर युवाओं की राय जानी गई।

युवाओं को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि युवाओं की मक संसद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कल्पना है क्योंकि वह चाहते हैं कि देश के युवा देश की योजना और सरकार के प्रावधानों पर अपनी राय जाहिर कर सकें। उन्होंने कहा कि देशभर मे ऐसी कई मक संसद आयोजित की जा रही है लेकिन यह संसद अपने आप में ऐतिहासिक है क्योंकि यह आयोजन उस सभागार में हो रहा है। यहां हर सप्ताह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के सांसद और मंत्रियों के साथ सरकार की जिम्मेदारी और लक्ष्य तय करते हैं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप में पहुंचे केंद्रीय संसदीय कार्य राज्यमंत्री डॉ अजरुन राम मेघवाल ने कहा कि कम समय में अच्छी बात रखे वही अच्छा सांसद होता है। उन्होंने कहा कि जब देश आजाद हुआ तब देश में विविधताएं थीं। बहुभाषा वाले देश में 565 राजाओं का राज था जिन्हें अखंड भारत बनाना देश के सामने बड़ी चुनौती थी, लेकिन संविधान निर्माताओं ने ऐसी संसदीय व्यवस्था दी, जिससे देश एकजुट हुआ।

बाइक सवार बदमाशों ने कारोबारी को मारी गोली

नई दिल्ली। मोरी गेट इलाके में लूटपाट के इरादे से एक कारोबारी पर बाइक सवार बदमाशों ने गोली चला दी। घटना के दौरान पीड़ित कारोबारी व उनके चालक जान बचाने के लिए वहां से भागकर पार्किंग में छिपना पड़ा। बाद में आरोपी पकड़े जाने के डर से मौके से फरार हो गए। पीड़ित कारोबारी की पहचान मॉडल टाउन अनुज कुमार (38) के रूप में की गई है। घटना के दौरान अनुज की जांघ पर गोली लगी, जिसके इलाज के लिए मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। अनुज का तिलक बाजार में जड़ी बूटी का बड़ा कारोबार है। रोजाना वे अपने वाहन चालक के साथ मोरी गेट इलाके में गाड़ी पार्क कर अपने चालक के साथ ई-रिक्शा से दुकान जाते हैं। शुक्रवार रात करीब आठ बजे वे अपने चालक रमेश के साथ ई-रिक्शा में बैठकर गाड़ी के पास जा रहे थे। कश्मीरी गेट गोल चक्कर के पास पहुंचते ही पीछे से बाइक सवार दो बदमाशों ने अचानक अनुज पर गोली चला दी। लूटपाट की आशंका होते ही अनुज और रमेश शोर मचाते हुए भागे और पार्किंग में छुप कर अपनी जान बचाई। फिलहाल पुलिस घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

»»संसद मार्ग थाने में पीएमओ के प्रतिनिधि को दिया ज्ञापन

आप का कटोरा आंदोलन फ्लाप मात्र 50 व्यापारी पहुंचे पीएमओ

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीलिंग के खिलाफ आम आदमी पार्टी के व्यापारिक विंग सीटीआई की ओर से कटोरा आंदोलन किया जा रहा है।

रविवार को आखिरी दिन पीएम नरेंद्र मोदी के घर के बाहर कटोरा आंदोलन करना था लेकिन कटोरा आंदोलन फ्लॉप हो गया बमुश्किल 50 व्यापारी भी पीएमओ के बाहर नहीं जुट पाए। बहरहाल व्यापारियों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। कुछ देर बाद छोड़ दिया गया।

रविवार को सीटीआई ने पीएमओ पर प्रदशर्न करना तय किया था। व्यापारियों को सुबह 10:30 बजे पहुंचने का समय दिया था। मुश्किल से करीब 50 व्यापारी ही मौके पर पहुंच पाए। व्यापारियों को तुगलक रोड थाने पर रोक लिया गया था, यहां करीब 20 व्यापारियों ने नारेबाजी शुरू कर दी। इसके बाद इन्हें पुलिस वैन में बिठाकर संसद मार्ग थाने ले जाया गया। इन व्यापारियों को थाने ले जाने के करीब आधे घंटे बाद 10-12 व्यापारी और पहुंचे। इनके साथ आम आदमी पार्टी के विधायक सहीराम भी मौजूद थे। इन्होंने भी यहां नारेबाजी की।

करीब 2 मिनट बाद इन्हें भी पुलिस वैन में भरकर थाने ले जाया गया। इसके बाद 12 बजे तक कोई व्यापारी यहां प्रदशर्न करने नहीं पहुंचा। इक्का-दुक्का व्यापारी घूमते-फिरते पहुंचे तो जरूर लेकिन वह वापस लौट गए।

इस तरह प्रदर्शन में 50 व्यापारी भी शामिल नहीं हुए।

इनके मुकाबले यहां पुलिस बल बड़ी तादाद में दिख रहा था। हालांकि कैट के संयोजक बृजेश गोयल ने दावा किया कि करीब 70 व्यापारी तो उनके साथ थाने में ही थे।

अक्रोध से क्रोध को जीतें, दुष्ट को भलाई से जीतें, कृपण को दान से जीतें और झूठ बोलने वाले को सत्य से जीतें -धम्मपद

आदमी पार्टी

आदमी पार्टी और आईएएस अधिकारियों के बीच गतिरोध फिलहाल खत्म होता नहीं दिख रहा है। दोनों पक्ष अपने-अपने तकरे की बुनियाद पर खुद को पाक साफहोने का आधार भले दे रहे हों, मगर इस विवाद के चलते राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कामकाज लगभग ठप है। आश्चर्य की बात है कि जिस जनता से जुड़े मसले पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर मुख्य सचिव अंशु प्रकाश को बुलाया गया था, अब वही मसला पीछे हो गया है। जनता से जुड़े फैसले जस-के-तस पड़े हुए हैं और सिर्फ सियासत चमकाई जा रही है। दिल्ली के आईएएस, दानिक्स और दास कैडर के अधिकारियों में भय का माहौल है। चूंकि पूर्व में भी इस तरह की वारदात आप नेताओं द्वारा हुई है, लिहाजा अधिकारियों ने साफ तौर पर अपनी सुरक्षा को शीर्ष प्राथमिकता में रखा है। कैबिनेट सचिव से मुलाकात में अधिकारियों और कर्मचारियों के संयुक्त फोरम ने फिर से निजी गरिमा और सुरक्षा का मुद्दा उठाया। सामान्य सी बात है कि सरकारी काम आपसी तालमेल और नियमों के तहत किए जाते हैं। लेकिन जिस तरह से ऐसे मामले बढ़ते जा रहे हैं और खुलेआम मुख्यमंत्री की मौजूदगी में अधिकारियों को पीटने तक की धमकी दी जा रही है, उससे सरकार में शामिल लोगों की मंशा का पता चलता है। आम आदमी पार्टी भले जांच को आधार बनाते हुए अधिकारियों से काम पर वापस आने की बात करे, किंतु सरकार की तरफसे अधिकारियों की मांगों-मुख्यमंत्री से माफी मांगने-पर फिलहाल सरकार का रुख ठंडा है और बीच का रास्ता निकालने की कोशिश में केंद्र और राज्य सरकार जुटी है। किसी भी सरकार और सूबे के लिए इस तरह की खींचतान अफसोसनाक है और सरकार को इस समस्या का स्थायी हल ढूंढने की महती जरूरत है। दिल्ली की सत्ता पर काबिज सरकार और उनकी महज कुछ साल पुरानी पार्टी को संवैधानिक तकाजों, नियमों और सरोकारों को गहरे तक जानने, समझने और उसके मुताबिक अमल करने की आवश्यकता है। ऐसा कैसे हो सकता है कि कोई सरकार या सत्तासीन पार्टी के विधायक अधिकारी को ऊलजुलूल मांगों को मनवाने के लिए उसके साथ मारपीट और हिंसा करेंगे? अफसर-सरकार की कड़ी को मजबूती देने के बजाय अगर इस सिद्धांत से अलग रास्ता अख्तियार करने से सिर्फ सरकार का इकबाल ही जर्जर होता है। मजबूत लोकतंत्र के लिएऐसा आचरण निहायत निंदनीय है।

बस्ते के बोझ

आखिरकार सरकार को भी यह इल्म हो गया कि नौनिहालों की पीठ बस्ते के बोझ से कूबड़ हो रही है। यही वजह है कि केंद्रीय मानव संसाधन मंत्रालय ने 2019 यानी अगले शैक्षणिक सत्र से बच्चों के बस्ते का वजन आधा करने का फैसला लिया है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से जुड़े स्कूलों में एनसीईआरटी का पाठ्यक्रम (सिलेबस) घटाकर आधा कर दिया जाएगा। हालांकि अरसे से बच्चों के कंधों पर भारी बस्ता और शिक्षा के स्तर में गिरावट के मसले पर मगजमारी हो रही थी। अनंत बार बैठकों का दौर भी चला और कई सुझाव भी कागजों की शोभा बनते रहे मगर स्थिति जस-की-तस बनी रही। यहां तक कि 1992 में प्रो. यशपाल की अगुवाई में बनी कमिटी के सुझाव भी सरकारी आलमारियों की धूल फांकते रहे। अब अगर सरकार ने इस पर संजीदगी से सोचा है तो इसकी सराहना तो होनी ही चाहिए। दरअसल, कई बार बहस इस बात को लेकर होती रही है कि बच्चों का बैग उनके वजन के हिसाब से कई गुना ज्यादा है। और इससे उनमें मानसिक और शारीरिक तौर पर विकास बाधित होता है। मगर प्रो. यशपाल कमिटी ने देश-दुनिया के सामने इस बात पर भी चिंता जताई कि असली समस्या बस्ते का बोझ तो है, किंतु उससे ज्यादा चिंता का सबब बच्चों में पढ़ाई को न समझ पाने का बोझ है। इसे दूर करना ज्यादा चुनौती भरा है। विडम्बना है कि सरकारों को ऐसे सुझाव को समझने और अमल करने में सालों लग गए। 1990 में राज्य सभा में आर.के. नारायण ने बच्चों के बस्ते को कम करने के वास्ते आवाज बुलंद की थी। तब से 2018 तक यह अनसुलझा ही रहा है। पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों का सर्वांगीण विकास बेहद महत्त्वपूर्ण है। आज के दौर में ढेरों किताबों के बल पर बच्चों को ज्ञानवान बनाकर स्कूल भले अपनी कॉलर ऊंची करें, परंतु कल्पना और समझ के संसार में बच्चे कंगाल ही होते जा रहे हैं। देखना है, अगले महीने आने वाली रिपोर्ट में शिक्षा सुधार को लेकर ''दृष्टि' कितनी पैनी और गुणवत्तापूर्ण होगी? हां, इस निर्णय में राज्य सरकार की भागीदारी किस रूप में होगी, इसे भी रेखांकित करने की जरूरत है। शिक्षा से भविष्य को गढ़ने में मदद मिलती है।

सत्संग

विचार

बड़ा प्रश्न हमारे अनुभव को रेखांकित करता है फिर चाहे हम सके विषय में सजगता से सोचें अथवा नहीं। जीवन का उद्देश्य क्या ? मैंने इस विषय पर सोचा है और मैं अपने विचार उन लोगों के ाथ बांटना चाहता हूं, इस आशा में कि वे उन लोगों के लिए प्रत्यक्ष ौर व्यावहारिक रूप से लाभदायक हो सके। जीवन का उद्देश्य सुखी हना है। जन्म के क्षण से ही, सभी मनुष्य सुख चाहते हैं, दु:ख नहीं। ही सामाजिक अनुबंधन, न शिक्षा, न ही कोई सिद्धांत इसे प्रभावित र सकते हैं। हमारे अंतर्मन से हम केवल संतोष की कामना करते हैं। ं नहीं जानता कि इन अनिगनत आकाशगंगाओं, तारों, ग्रहों वाले ह्मांड का कोई गहन अर्थ है अथवा नहीं, परंतु कम-से-कम यह तो पष्ट है कि हम मनुष्य जो इस धरती पर रहते हैं, के सामने यह एक ठिन कार्य है कि हम अपने लिए एक सुखी जीवन बनाएं। इसलिए सका पता लगाना महत्त्वपूर्ण है कि कौन सी वस्तु अधिक-से-धिक सुख दे सकती है। सबसे पहले तो सभी प्रकार के सुखों और :खों को मुख्यत: दो वगरे में बांटा जा सकता है: मानसिक और ारीरिक। इन दोनों में से चित्त ही है, जो हममें से अधिकांश को सबसे धिक प्रभावित करता है। या तो हम बहुत ही गंभीर रूप से बीमार हों ा फिर आधारभूत आवश्यकताओं से वंचित हो जाएं, हमारी शारीरिक स्थिति की भूमिका जीवन में गौण होती है। यदि हमारा शरीर संतुष्ट हो ो हम असल में उसकी उपेक्षा करते हैं। परंतु चित्त प्रत्येक घटना को र्ज कर लेता है फिर चाहे वह घटना कितनी ही छोटी क्यों न हो? अत: मारे अधिकांश गंभीर प्रयास मानसिक शांति लाने के लिए प्रयुक्त होने ाहिए। हम दूसरों के सुख के विषय में जितना अधिक सावधान रहते , हमारे अपने कल्याण की भावना उतनी अधिक होती है। दूसरों के ति एक सद्भाव का विकास करना अपने चित्त में स्वाभाविक रूप से चत्त को सहजता देता है। यह हममें जो भी भय अथवा असुरक्षा की ावना हो, उसे दूर करने में सहायक होता है और हमें किसी भी आने ाली बाधा का सामना करने की शक्ति देता है। यह जीवन में सफलता ा परम स्रेत है। हम इस संसार में जब तक जीवित हैं तब तक ाधाओं का सामना करना हमारे लिए अवश्यंभावी है। यदि ऐसे अवसरों र हम आशा छोड़ कर निरु त्साहित हो जाएं, तो हम अपनी कठिनाइयों ा सामना करने की क्षमता को कम करते हैं।

ट्रूडो की भारत यात्रा

भारत की कड़ी आपत्ति के बाद इस निमंतण्र को रद्द कर दिया गया। विवाद तूल पकड़ने के बाद स्वयं ट्रूडो ने बयान दिया कि अटवाल को यह निमंतण्र नहीं मिलना चाहिए था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मुलाकात में उन्होंने साफ किया कि कनाडा एकीकृत भारत का समर्थन करता है और यहां की विविधता की इज्जत भी। दोनों नेताओं की संयुक्त पत्रकार वार्ता में मोदी ने जिस सख्त लहजे में देश तोड़ने की कामना रखने वालों के लिए कोई जगह नहीं होने की बात कही थी, उससे साफ था कि वो कनाडा के प्रधानमंत्री को क्या संदेश देना चाहते हैं? कहा जा सकता है कि भारत की भूमि पर कनाडा के प्रधानमंत्री से हमने जो चाहा उनको कहना पड़ा।

सतीश पेडणोकर

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की एक सप्ताह की भारत यात्रा में जो भी समझौते हुए उनका औपचारिक महत्त्व जो भी हो, पर देश का ध्यान दो बातों की ओर ज्यादा रहा। एक, खालिस्तान समर्थक व्यक्ति के साथ मुंबई में उनकी पत्नी की तस्वीर और उच्चायोग द्वारा दिए गए रात्रिभोज में उसे आमंत्रित किया जाना। दूसरा, कनाडाई मीडिया का यह आरोप कि भारत ने उनके प्रधानमंत्री को वैसा महत्त्व नहीं दिया जैसा वे अन्य देशों के नेताओं को देते हैं। वास्तव में ट्रूडो के स्वागत के लिए मुंबई में कनाडाई उच्चायोग की तरफसे दिए गए रात्रिभोज में काफी पहले घोषित खालिस्तानी आतंकवादी जसपाल अटवाल को आमंत्रित किया गया था। भारत की कड़ी आपत्ति के बाद इस निमंतण्र को रद्द कर दिया गया। विवाद तूल पकड़ने के बाद स्वयं ट्रूडो ने बयान दिया कि अटवाल को यह निमंतण्र नहीं मिलना चाहिए था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मुलाकात में उन्होंने साफ किया कि कनाडा एकीकृत भारत का समर्थन करता है और यहां की विविधता की इज्जत भी। दोनों नेताओं की संयुक्त पत्रकार वार्ता में मोदी ने जिस सख्त लहजे में देश तोड़ने की कामना रखने वालों के लिए कोई जगह नहीं होने की बात कही थी, उससे साफ था कि वो कनाडा के प्रधानमंत्री को क्या संदेश देना चाहते हैं? कहा जा सकता है कि भारत की भूमि पर कनाडा के प्रधानमंत्री से हमने जो चाहा उनको कहना पड़ा, लेकिन इसके साथ कई सवाल खड़ा होते हैं, जिनका जवाब ढूंढा जाना आवश्यक है। जस्टिन ट्रूडो के बारे में माना जाता कि अपने देश की राजनीति के कारण वे खालिस्तान भावना के प्रति सहानुभूति रखते हैं। उनकी सरकार में चार सिख मंत्री हैं।

980 के दशक में उभरा हिंसक खालिस्तान आंदोलन अब समाप्तप्राय है, लेकिन कुछ अवशेष अभी जहां बचे हुए हैं, उनमें कनाडा एक है। यह बात यहां जानना जरूरी है जैसा कनाडा की ओर से स्पष्ट किया गया कि अटवाल प्रधानमंत्री के प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा नहीं था। अटवाल ने कहा भी कि वह अपने स्तर पर भारत आया है। ट्रूडो की पत्नी सोफिया के साथ उसकी तस्वीर में जो निकटता दिख रही है, उससे इतना तो लगता है कि उस परिवार तक किसी तरह उसकी पहुंच है। एक अन्य तस्वीर में वह ट्रूडो के मंत्री अमरजीत सोही के साथ भी दिखाई दिया। उसी तरह कनाडाई उच्चायोग का निमंतण्रभी साबित करता है कि वहां की सत्ता में उसका कुछ दखल तो है। हालांकि कनाडा के ही एक सांसद रणदीप एस. सराय की सिफारिश पर ट्रूडो के रात्रिभोज में अटवाल को आमंत्रित किया था। उन्होंने इसे स्वीकार करते हुए माफी भी मांगी है। जाहिर है, इस पर विवाद उभरने के बाद कनाडा का प्रधानमंत्री कार्यालय तेजी से सक्रिय हुआ और उसकी पूरी जानकारी ली, बयान जारी किया और यह मानने का पर्याप्त आधार है कि रणदीप सराय को भी स्पष्टीकरण देने और माफी मांगने के लिए तैयार किया होगा। भारत का इस मामले में कड़ा स्टैंड बिल्कुल उचित है। अगर आप हमारे साथ रिश्ता रखना चाहते हैं तो हमारी भावनाओं का ध्यान आपको रखना होगा। नहीं रख सकते तो फिर संबंध का कोई मायने नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2015 में जब कनाडा का दौरा किया था तो उन्होंने क्यूबेक अलगाववादियों को तो अपने साथ कहीं नहीं रखा। इसका ध्यान जस्टिन ट्रूडो और उनकी यात्रा का कार्यक्रम बनाने वाले अधिकारियों-मंत्रियों को रखना चाहिए था। सवाल यह भी उठता है कि आखिर अटवाल को भारत आने की अनुमति कैसे मिली? यदि भारत की नजर में वह आतंकवादी है तो उसे वीजा नहीं मिलनी चाहिए थी। बिना वीजा के तो कोई भारत में प्रवेश नहीं कर सकता। जब आप वीजा दे देते हैं तो फिर दूसरे देश के नेता और अधिकारी कैसे मान लें कि आपके यहां उसके बारे में क्या धारणा है? विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने इस संबंध में कोई साफ जवाब भी नहीं दिया, केवल यह कहा कि इसकी जांच कराई जाएगी कि उसे वीजा कैसे मिला? अगर भारत में उसके खिलाफ कोई मामला लंबित है तो उसे गिरफ्तार भी किया जा सकता था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। दरअसल, यह किसी को पता ही नहीं कि उसके खिलाफ कोई मामला है भी या नहीं ।यहां यह जानना जरूरी है कि पंजाब सरकार और एजेंसियों से सलाह लेकर केंद्र खालिस्तान समर्थकों की काली सूची का समय-समय पर पुनरीक्षण करता है। फिलहाल, अटवाल इस सूची में नहीं है। ध्यान रखिए, पिछले कुछ वर्षो में ऐसे 150 लोगों के नाम सूची से हटाए गए हैं, जो कभी हिंसक गतिविधियों में शामिल रहे थे। एक बार काली सूची से नाम हटाने के बाद कोई दुनिया के किसी भी देश में पूरी आजादी के साथ यात्रा कर सकता है। यहां तक कि वो भारत भी आ सकता है और अटवाल भी इसी कारण भारत आ गया। जाहिर है, हमारे कड़े तेवर तो ठीक हैं, लेकिन हमें भी अपनी नीति की समीक्षा की जरूरत है। अगर हम किसी को काली सूची से हटाते हैं तो फिर उसके बारे में हमारी नीति क्या होगी? इसके बारे में भारत की ओर से दुनिया के सामने साफ किया जाना चाहिए कि फलां-फलां व्यक्तियों को अब हमने काली सूची से हटा दिया है लेकिन उनकी पृष्ठभूमि के कारण संबंध रखने में सतर्कता बरती जाए। यह कार्य कनाडा में रह रहे पूर्व खालिस्तानी सक्रियतावादियों के संदर्भ में नहीं किया गया। बहरहाल, जब से जगे तभी सबेरा की कहावत को ध्यान में रखते हुए भारत को इस मामले में अपनी स्थिति स्पष्ट कर देनी चाहिए। कनाडा के प्रधानमंत्री को सबक मिल गया है और उम्मीद है अपनी घरेलू राजनीतिक मजबूरियों के बावजूद वे इस मामले में भारत की भावनाओं का ध्यान रखेंगे। अब आइए दूसरे विवाद की ओर। कनाडा मीडिया ने यह मुद्दा बना दिया कि ट्रूडो जब गुजरात गए तो मोदी उनके साथ वहां नहीं गए थे। यहां तक कि हवाई अड्डे पर अगवानी के लिए भी मोदी नहीं थे। प्रोटोकॉल में कहीं नहीं है कि प्रधानमंत्री हवाई अड्डे पर आने वाले नेता की अगवानी करें या उनकी साथ यात्रा में रहे हीं। ट्रूडो ने अपनी यात्रा को स्वरूप ही ऐसा दिया था, जिसमें मोदी के साथ उनके होने की संभावना अत्यंत कम थी। उनकी यात्रा का सरकारी स्वरूप बनते ही उन्हें राष्ट्रपति भवन में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने अगुवाई करते हुए ट्रूडो और उनके पूरे परिवार का स्वागत किया। जहां महत्त्व दिया जाना था पूरा दिया गया।

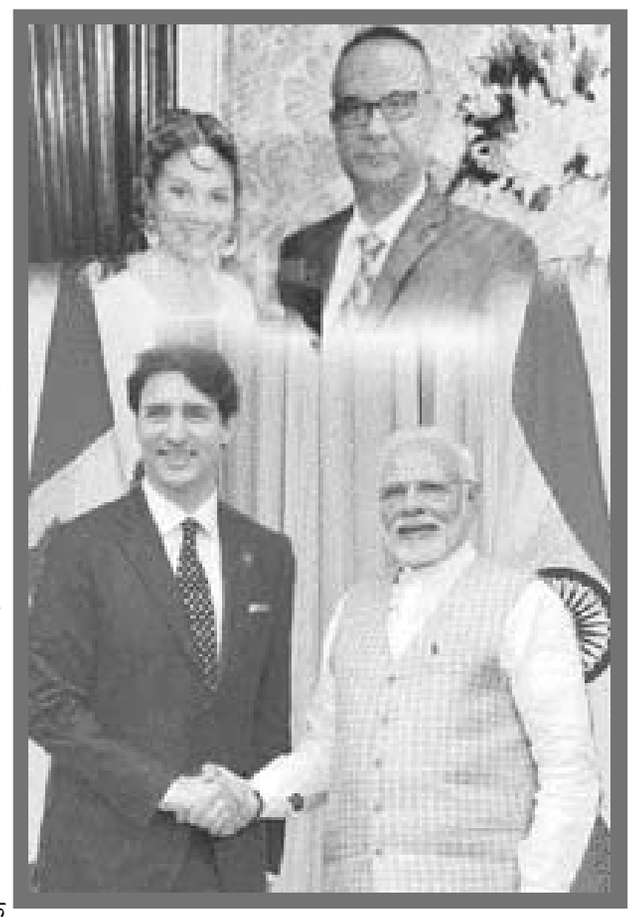

चलते चलते

रियलिटी शो

रियलिटी शो में पोपोन के नाम से मशहूर असमिया गायक अंगराग महंत पर एक प्रतिभागी बच्ची को गलत तरह से चूमने का आरोप लगा है। हालांकि, पापोन ने इस आरोप को खारिज कर, बिना गलती के प्रताड़ित किए जाने की कही है।

बच्चों के एक रियलिटी शो में पोपोन के नाम से मशहूर असमिया गायक अंगराग महंत पर एक प्रतिभागी बच्ची को गलत तरह से चूमने का आरोप लगा है। हालांकि, पापोन ने इस आरोप को खारिज कर, बिना गलती के प्रताड़ित किए जाने की कही है। साथ में निदरेष साबित होने तक अपने को इस रियलिटी शो से खुद को अलग कर लिया है। मालूम हो कि शो के पोपोन ने दौरान होली का रंग लगाते हुए प्रतिभागियों के साथ एक वीडियो अपने फेसबुक पेज पर अपलोड किया था। विवाद पर प्रतिक्रियाओं और बहस-मुबाहिसों के बीच गायक के खिलाफसुप्रीम कोर्ट की वकील रूना भुइयां ने बाल अधिकार संरक्षण आयोग में पोपोन के खिलाफ प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंस (पॉक्सो) एक्ट के तहत शिकायत दर्ज करा दिया। महाराष्ट्र राज्य महिला अधिकार आयोग ने इस मामले में कार्यक्रम के निर्माताओं को नोटिस भेजकर पूछताछ की बात कही है। इसके बाद पोपोन से भी पूछताछ की जाएगी। फिल्म जगत से आई कुछ प्रतिक्रियाओं में पोपोन के आचरण भर्त्सना की गई है। वहीं फराह खान ने उन्हें एक बेहतर व्यक्ति बताया, लेकिन इस ताकिद के साथ कि इस तरह का प्यार-दुलार अपने बच्चों के साथ ही बरसाना बेहतर होगा। खास बात यह है कि प्रतिभागी और उसके अभिभावकों ने पोपोन के व्यवहार का बचाव किया है। बच्ची ने बकायदा यू ट्यूब पर अपना पक्ष रखा है। सवाल उठता है कि क्या यह मामला अतिरेक का तो नहीं? कई बार ऐसा होता है कि ''दिखता कुछ और है होता कुछ और'। जानकारों की राय है कि बाप-बेटी के इस तर्क के पीछे रियलिटी शो का दबाव भी हो सकता है। लेकिन इस पूरे विवाद ने बच्चों के टैलेंट/रियलिटी शो के औचित्य पर गंभीर सवाल खड़ा किया है। इसमें कोई दो मत नहीं कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों से उनका नैसर्गिक बचपन छीन लेते हैं। पोपोन के लिए थोड़ी राहत की बात ये है कि संबंधित वीडियो जिस पर विवाद गहराया है, उसे उन्होंने खुद फेसबुक पर अपलोड किया। हालांकि पुलिसिया तफ्तीश में यह कितना प्रभावी होगा, यह भविष्य की बात है। इसके बावजूद निजता का ख्याल रखने की पोपोन की अपील पर संजीदा होने की भी जरूरत है। उम्मीद है यह विवाद औरों के लिए भी एक सबक होगा।

फोटोग्राफी...

12 लाख की आबादी वाले प्राग में हर साल आते हैं 65 लाख पर्यटक यह फोटो 'सिटी ऑफ100 स्पायर्स ' कहे जाने वाले प्राग शहर का है, जो चेक गणराज्य की राजधानी है। शहर की आंकिटेक्चरल डिज़ाइन ही ऐसी है कि यह यूरोप के सबसे खूबसूरत पांच शहरों में से एक है। 12 लाख की आबादी वाले प्राग में सांस्कृति क एवं ऐति हासि क महत्व के कारण हर साल 65 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक आते हैं। यह फोटोप्राग की वितावा नदी पर वर्ष 1402 के ऐति हासि क 'चार्ल्सब्रिज' पर तब क्लिक किया गया, जब शाम के वक्त काफी संख्या में लोग सैर करने आते हैं। अगले वर्ष इस पुल का नवीनीकरण शुरू होगा, जिसमें 20 वर्ष लगेंगे। फोटोग्राफर ने इसमें शहर का प्राचीन कि ला भी दिखाया है, जो 9वीं सदी में बना था। 70 हजार वर्ग मीटर में फैले उस कि ले को गि नीज़ बुक ऑफरिकॉर्ड्स में दुनिया के चुनिंदा बड़े किले के तौर पर शामिल किया गया है। echowy.tv

सफलता और लोकप्रियता

सफलता और लोकप्रियता का कोई एक शिखर नहीं होता है। उसकी ऊंचाई समय के अनुसार बढ़ती-घटती रहती है। यह इतना लचीला होता है कि हर कोई अपनी क्षमता और प्रतिभा के हिसाब से उसे लंबा-चौड़ा कर सकता है। बात अगर श्रीदेवी की हो तो कहना पड़ेगा कि वह अकेली ऐसी नायिका साबित हुई, जिनके अपने दम पर फिल्में चलती थी। यह सिलसिला ''सदमा' से लेकर ''इंग्लिश विंग्लिश' और ''मॉम' तक देखने को मिला। यह भी सच है कि चमक-दमक और ग्लैमर भरी दुनिया में सफलता को नापने का निश्चित पैमाना नहीं होता है। खासकर, जब हीरोइन की बात हो तो उसे पहली ही नजर में शो-पीस की तरह देखा जाता है। अगर उसने उस सीमा को पार करने का साहस कर लिया तो उसकी तुलना नायकों से करने का सिलसिला शुरू कर दिया जाता है। कभी यह चुनौती मधुबाला, मीना कुमारी और नरगिस को भी मिली थी जब उनके सामने दिलीप कुमार, राज कपूर और देव आनंद जैसे शिखर पुरु ष बैठे थे। वही चुनौती बाद में श्रीदेवी को भी मिली लेकिन उन्होंने साबित किया कि पुरु ष-प्रधान इंडस्ट्री में उनकी अपनी भी औकात है। जब कुछ लोगों को यह नहीं पचा तब श्रीदेवी के आभामंडल को सीमित करने के लिए उन्हें ''लेडी अमिताभ बच्चन' कहा जाने लगा। हर हीरोइन की तरह श्रीदेवी की निजी जिंदगी के बारे में बहुत सारे चाहे-अनचाहे किस्से-कहानियां रचे गए। सत्तर के दशक में आतंक, हिंसा, हत्या, बलात्कार वाली फिल्मों का जो दौर शुरू हुआ, वह अस्सी के दशक पर भी काबिज होता गया। लेकिन इसी बीच ''कयामत से कयामत तक', ''चांदनी' जैसी एक-दो फिल्में भी बनी, जिसने अपनी सफलता से बता दिया कि नकलीपन ज्यादा दिनों तक टिका नहीं रह सकता है। इंडस्ट्री को प्रेम-कहानियों को इमोशनल अंदाज में पेश करना ही होगा। रोमांटिक फिल्मों के शहंशाह और कोमल स्पर्श से रोमांचित कर देने वाले निर्माता-निर्देशक यश चोपड़ा ने तब श्रीदेवी को लेकर ''चांदनी' बनाई। एक साफ-सुथरी फिल्म ने उस माहौल को पलटकर रख दिया। चांदनी के प्रेमी थे ऋषि कपूर। उस प्रेमी ने जब ''चांदनी ओ मेरी चांदनी' गाया तो दर्शक भी रोमांटिक हो गए। श्रीदेवी की अभिनय-प्रतिभा, उसकी मस्ती और शोखियों को देखकर लोग झूम उठे। यश चोपड़ा ने जब ''लम्हे' की योजना बनाई तो श्रीदेवी को ही इस फिल्म के लिए चुना। इस फिल्म की कहानी भी ''चांदनी' की तरह सीधी-सादी थी। उन लड़कियों को क्या मालूम कि श्रीदेवी को हवा हवाई और चांदनी बनने में कई साल लग गए। ''सोलहवां साल' से सफर शुरू हुआ था जो ''सदमा', ''हिम्मतवाला', नागिन, ''चालबाज', ''खुदा गवाह' से गुजरता हुआ यहां तक पहुंचा था। आज भी लोग श्रीदेवी को चांदनी के रूप में याद करते हैं। उल्लेखनीय है कि फिल्म के टाइटल सांग ''चांदनी ओ चांदनी..' में श्रीदेवी ने अपनी आवाज भी दी थी। वह दौर था जब सिनेमा का मतलब एक तरफ अमिताभ बच्चन था तो दूसरी तरफश्रीदेवी था। अपने आप में कामयाबी का इतिहास बन गई थी। कुछ लोग दोनों के बीच तुलना भी करने लगे थे लेकिन इससे उन पर कोई फर्क नहीं पड़ा। श्रीदेवी की उस समय की फिल्मों को याद करें तो मानना पड़ेगा कि नायक के पैरेलल इनकी दुनिया चलती थी। अगर फिल्म ''मिस्टर इंडिया' अनिल कपूर और मोगैम्बो अमरीश पुरी की फिल्म थी तो उसमें श्रीदेवी का सम्मोहन व जादू भी किसी भी मायने में कम नहीं था। भारतीय सिनेमा की पहली ''महिला सुपरस्टार' कही जाने वाली श्रीदेवी अस्सी और नब्बे के दशक में सबसे ज्यादा पारिश्रमिक पाने वालों में शामिल थी। इसलिए कि उनकी फिल्में हिट की गारंटी हुआ करती थीं। सरकार ने उन्हें पद्मश्री से भी नवाजा था।

भारत को खेल उपकरण विनिर्माण केंद्र बनाना चाहता हूं: राठौड़

नयी दिल्ली। खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि भारत को खेल उपकरणों के विनिर्माण का केंद्र बनाना उनका एक प्रमुख लक्ष्य है। राठौड़ ने स्पोर्टएक्स.एशिया 2018 में कहा, ''भारत को खेल उपकरणों का विनिर्माण केंद्र बनाने के लिये क्या करना होगा और देश की नीतियों में क्या बदलाव लाने होंगे, यह जानने के लिये भारत और विश्व के सर्वश्रेष्ठ खेल सामान निर्माताओं के सम्मेलन की योजना बना रहे हैं।'' खेल मंत्री ने कहा देश में खेल आधारभूत ढांचे में सुधार करने के लिये निजी क्षेत्र को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कहा, ''हमारी योजना भारत को खेलों के क्षेत्र में मजबूत ताकत बनाने की है और इसके लिये हमें निजी क्षेत्रों से मदद की जरूरत है। अभी हमारा ध्यान लक्ष्य ओलंपिक पोडियम के जरिये खेलों में विशिष्टता हासिल करने तथा स्कूल खेल प्रतियोगिता खेलो इंडिया के जरिये खेलों का प्रसार करने पर है।''

दक्षिण अफ्रीका दौरे पर कोहली का आकलन पूर्णत: सही: गावस्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय कप्तान विराट कोहली ने पूर्णत: सही कहा कि भारतीय टीम ने अपनी क्षमता का 80 फीसद प्रदर्शन ही किया है और जितना जल्दी हो उसे सौ प्रतिशत प्रदर्शन करना होगा। यह शानदार विचार है। दक्षिण अफ्रीका में हमें ऐसा देखने को मिला जब सीमित ओवर प्रारूप में विश्वास से भरी टीम इंडिया ने जब-जब जरूरत पड़ी, अपने खेल का स्तर उठाने में देर नहीं लगाई।

सीमित ओवरों की क्रिकेट सीरीज में भारतीय टीम के शीर्ष चार बल्लेबाजों ने इतना बेहतरीन प्रदर्शन किया कि निचले क्रम की जरूरत नहीं के बराबर पड़ी। गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों के रन रोक दिए और शुरुआत से लेकर अंत तक उन्हें शिकंजे में रखा। जब दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों को लगा कि वे बीच के ओवरों में खुलकर खेल सकते हैं तो कलाई के दो स्पिनरों चहल और कुलदीप ने ऐसी गेंदबाजी की, जिससे मेजबान बल्लेबाज स्कूली क्रिकेटर जैसे नजर आए। इन दोनों गेंदबाजों का विश्वास निश्चित रूप से भविष्य में भारत के लिए कई मैच जीतेगा। वह भी न केवल वनडे क्रिकेट में बल्कि टेस्ट प्रारूप में भी।

यहां सिर्फ टेस्ट सीरीज में टीम की हार रडार पर है, लेकिन वहां भी भारतीय हारे हुए दोनों टेस्ट की तीन पारियों तक मुकाबले में बने रहे। इन दोनों टेस्ट की चौथी पारी में रहाणे की गैरमौजूदगी में नजर आई मध्यक्रम की कमजोरी का खामियाजा टीम को भुगतना पड़ा। इन पारियों में विराट कोहली की विफलता ने भी बड़ा अंतर पैदा किया। भारतीय टीम इससे पहले दक्षिण अफ्रीका में कोई सीरीज नहीं जीती थी। ऐसे में सीमित ओवर की सीरीज जीतकर कोहली और उनकी टीम यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय टीम बनी। अगर टीम टेस्ट सीरीज जीतने में भी सफल रहती तो यह भारतीय क्रिकेट इतिहास में मील का पत्थर होता। यही वजह है कि भारतीय कप्तान इस दौरे को 80 फीसद प्रदर्शन के लिहाज से आंक रहे हैं।

आइपीएल में कप्तानी के बाद बोले अश्विन, कहा चुनौती का लुत्फ उठाउंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के वरिष्ठ स्पिन गेंदबाज आर. अश्विन को इंडियन प्रीमियर लीग के ग्यारहवें संस्करण के लिये किंग्स इलेवन पंजाब की टीम की कमान दी गयी है है। इस टीम में अश्विन के अलावा उनसे बहुत से सीनियर्स जैसे युवराज सिंह, क्रिस गेल जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी हैं लेकिन इन सब पर अश्विन को तरजीह देते हुए उन्हें टीम का कप्तान बनाया गया है।

इसके पहले अश्विन चेन्नई सुपर किंग्स के साथ 8 साल तक खेल चुके हैं जिस दौरान उन्होंने दो आईपीएल टूर्नामेंट का खिताब भी जीते थे। इसके अलावा अश्विन आइपीएल टूर्नामेंट में एक गेंदबाज के रूप में पुणे सुपरजाइंट्स का भी प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

आइपीएल की इस चुनौती का लुत्फ उठाएंगे अश्विन

किंग्स इलेवन पंजाब का कप्तान बनाए जाने के बाद अश्विन ने कहा, 'कप्तान बन जाने से मेरे ऊपर कोई अतिरिक्त दबाव नहीं है। मैंने पहली बार प्रथम श्रेणी क्रिकेट में जब अपने राज्य की अगुआई की तब मेरी उम्र मात्र 21 साल ही थी। मैं यह काम पहले भी कर चुका हूं और मुझे यकीन है कि मैं इस चुनौती का लुत्फ उठाऊंगा।'

वनडे और टी 20 टीम में बाहर हैं अश्विन

मौजूदा समय में अश्विन भारत की वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय टीमों से बाहर चल रहे हैं। अश्विन ने पिछला अंतरराष्ट्रीय टी20 मैच सात महीने पहले जुलाई 2017 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था और अपना अंतिम वनडे भी वह इसी टीम के खिलाफ पिछले साल जून में खेले थे। अश्विन ने कहा, 'इस प्रतिभावान क्रिकेटरों के समूह की अगुआई करने की जिम्मेदारी मिलने के बाद से मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मुझे भरोसा है कि मैं अपनी टीम के साथियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवा पाऊंगा। यह मेरे लिए गौरवपूर्ण लम्हा है।'

फिटनेस पर बोले समीर वर्मा, फिट रहना ही है सबसे बड़ा लक्ष्य

नयी दिल्ली। अपने छोटे अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान चोटों से जूझने वाले बैडमिंटन खिलाड़ी समीर वर्मा अपना पूरा ध्यान फिट बने रहने पर देना चाहते हैं क्योंकि उनके अनुसार अपने लिये कोई खास लक्ष्य तय करने का कोई मतलब नहीं बनता है। समीर ने स्विस ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट जीतकर इस सत्र का अपना पहला खिताब जीता। उन्होंने स्विट्जरलैंड के बासेल में फाइनल में डेनमार्क के विश्व में पूर्व नंबर दो खिलाड़ी जान ओ जोर्गनसेन को हराया।

इस भारतीय ने हालांकि कहा कि वह आगे के लिये कोई योजना नहीं बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा है कि, 'मैं फिट बने रहना चाहता हूं और अपने शरीर का ध्यान रखना चाहता हूं। यह मेरा लक्ष्य है। मैं किसी अन्य चीज के बारे में नहीं सोचना चाहता हूं। मैं जानता हूं कि अगर मैं शत प्रतिशत फिट रहता हूं तो अच्छा प्रदर्शन करूंगा और मेरी रैंकिंग में भी सुधार होगा।' समीर ने कहा, 'मैं खुद की बेहतर देखभाल करने के सिलसिले में कोचों और फिजियो से बात करता रहता हूं। मुझे पता चल गया है कि मैं अत्याधिक अभ्यास कर रहा था जिससे मुझे बचना होगा और लंबे समय तक बने रहने के बारे में सोचना होगा।' समीर ने पिछले साल जनवरी में सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय ग्रां प्री गोल्ड प्रतियोगिता जीती थी। लेकिन इसके बाद कंधे की चोट के कारण वह जून में इंडोनेशिया ओपन और आस्ट्रेलियन ओपन से हट गये थे। वह विश्व चैंपियनशिप में शुरू में बाहर हो गये और कोरिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे लेकिन फिर से कंधे की चोट के कारण साल के दूसरे चरण में कोर्ट से बाहर रहे। इससे वह विश्व रैंकिंग में शीर्ष 20 से बाहर हो गये। समीर ने कहा, 'कंधे की चोट से उबरने के बाद मैं अच्छे परिणाम हासिल कर रहा हूं। मैंने इंडिया ओपन में अच्छा प्रदर्शन किया था। इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा।'

करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल कर रामकुमार टॉप पर, युकी फिसले

नई दिल्ली (एजेंसी)।

रामकुमार रामनाथन ने आज जारी एटीपी रैंकिंग में सात स्थान के फायदे के साथ करियर का सर्वश्रेष्ठ 133वां स्थान हासिल किया लेकिन देश के नंबर एक एकल खिलाड़ी युकी भांबरी चार स्थान के नुकसान से 105वें स्थान पर खिसक गए। तेईस साल के रामकुमार को एटीपी डेलरे बीच ओपन के मुख्य ड्रा में जगह बनाने के लिए 12 अंक मिले लेकिन वह पहले ही दौर में हार गए।

युकी दुबई ड्यूटी फ्री चैंपियनशिप की क्वालीफाइंग प्रतियोगिता में ही हार गए। दुबई में क्वालीफायर की बाधा को पार करने में नाकाम रहे युवा सुमित नागल चार स्थान के नुकसान से 220वें पायदान पर हैं। एटीपी एकल रैंकिंग में उनके बाद बायें हाथ के प्रजनेश गुणेश्वरन का नंबर आता है जो 10 स्थान के फायदे से 232वें स्थान पर हैं।

युगल में रोहन बोपन्ना 20वें स्थान के साथ भारत के शीर्ष खिलाड़ी बने हुए हैं। दिविज शरण तीन स्थान के नुकसान से 54वें जबकि लिएंडर पेस भी तीन स्थान के नुकसान से 52वें स्थान

पर हैं। महिला एकल में अंकिता रैना पांच स्थान के फायदे से 250वें पायदान पर हैं जबकि करमन कौर थंडी 281वें स्थान पर बरकरार हैं। युगल में सानिया मिर्जा एक स्थान के फायदे से 13वें नंबर पर हैं।

तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल ने फैसला किया है कि वह अगले महीने आस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। उन्होंने कहा कि व्यस्त कार्यक्रम से उनके पारिवारिक जीवन पर असर पड़ा है। भारत के खिलाफ हाल में संपन्न घरेलू श्रृंखला में दक्षिण अफ्रीका की टीम के सदस्य रहे 33 साल के मोर्कल ने कहा कि यह आसान फैसला नहीं था।

मोर्कल ने क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका की विज्ञप्ति में कहा, ''यह बेहद कड़ा फैसला था लेकिन मुझे लगता है कि यह नया अध्याय शुरू करने का सही समय है।'' उन्होंने कहा, ''मेरा युवा परिवार और विदेशी पत्नी है और मौजूदा व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम ने इस पर काफी असर डाला है। मैंने उन्हें प्राथमिकता दी है और इस फैसले से आगे चलकर हमें फायदा ही होगा।'' भारत के खिलाफ 2006 में टेस्ट पदार्पण करने वाले मोर्कल ने खेल के सबसे लंबे प्रारूप में 83 मैच में 294 विकेट चटकाए हैं। वह इस प्रारूप में दक्षिण अफ्रीका के पांचवें सबसे सफल गेंदबाज हैं।मोर्कल ने कहा, ''मुझे अब भी लगता है कि मेरे अंदर काफी क्रिकेट बचा है और आगे जो भी होने वाला है उसे लेकर मैं रोमांचित हूं। फिलहाल मेरी सारी ऊर्जा और पूरा ध्यान दक्षिण अफ्रीका को आस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी श्रृंखला जिताने पर लगा है।'' मोर्कल ने इसके अलावा 117 वनडे में 188 विकेट और 44 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 47 विकेट चटकाए हैं।

राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेंगे भारत के 227 खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में चार से 15 अप्रैल के बीच होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के 227 खिलाड़ी भाग लेंगे जिनमें 27 निशानेबाज भी शामिल हैं जिनके 2022 में होने वाले खेलों में भाग लेने को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। आईओए अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने राष्ट्रमंडल खेलों के लिये आधिकारिक पोशाक के अनावरण के अवसर पर उम्मीद जतायी कि भारत ग्लास्गो में 2014 में हुए खेलों की तुलना में इस बार बेहतर प्रदर्शन करेगा। बत्रा ने कहा, ''हम आस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में चार से 15 अप्रैल के बीच होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में 227 सदस्यीय दल भेज रहे हैं जो भारत का इन खेलों में अब तक का दूसरा सबसे बड़ा दल होगा।'' भारत ने नयी दिल्ली में 2010 में खेले गये राष्ट्रमंडल खेलों में 619 खिलाड़ी उतारे थे और तब उसने 38 स्वर्ण सहित 101 पदक जीते थे।

इसके चार साल बाद ग्लास्गो में भारत के 215 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था जिन्होंने 15 स्वर्ण सहित 64 पदक जीते थे।बत्रा ने कहा, ''हमारी कुछ टीमें गोल्ड कोस्ट में अभ्यास कर रही हैं जिनमें भारोत्तोलन, एथलेटिक्स, बास्केटबाल शामिल हैं। कुछ टीमें जल्द वहां के लिये रवाना हो जाएंगी जबकि बाकी टीमें मार्च के आखिर तक पहुंच जाएंगी। गोल्ड कोस्ट में खेल गांव 27 मार्च को खुल जाएगा।'' उन्होंने

कहा, ''हमने ग्लास्गो में 64 पदक जीते थे लेकिन इस बार हमें इससे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। हम खिलाड़ियों को उनके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिये शुभकामनाएं देते हैं। '' राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ) ने इस बार हर देश के लिये प्रत्येक खेल में कोटा तय किया है। भारत एथलेटिक्स में सर्वाधिक 37 सदस्यीय दल भेजेगा हालांकि पहले उसके लिये 32 सदस्यों का कोटा तय किया गया था। इसके अलावा हाकी में 36 और निशानेबाजी में 27 खिलाड़ी देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।निशानेबाजी में भारत का कोटा 30 से घटाकर 27 कर दिया गया है और 2022 में इस खेल के बने रहने को लेकर भी अनिश्चितता भी बनी हुई है।

हालांकि इस अवसर पर उपस्थित खेल मंत्री और ओलंपिक रजत पदक विजेता निशानेबाज राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने आशा व्यक्त की कि राष्ट्रमंडल खेलों में यह खेल बना रहेगा।राठौड़ ने कहा, ''इस संदर्भ में सीजीएफ को पत्र भेजा गया है। हम अपनी तरफ से पूरे प्रयास कर रहे हैं कि इस खेल को राष्ट्रमंडल खेलों में बनाया रखा जाए। इस बारे में अभी अंतिम फैसला नहीं किया गया है।'' आईओए महासचिव राजीव मेहता ने भी कहा कि निशानेबाजी को अभी 2022 खेलों से बाहर नहीं किया गया है।उन्होंने कहा, ''आईओए ने निशानेबाजी को राष्ट्रमंडल खेलों में बनाये रखने के लिये अपनी तरफ से हर संभव प्रयास करेगा। अभी अक्तूबर में बैठक होनी है जिसमें इस पर चर्चा की जाएगी।'' इस अवसर पर खिलाड़ियों की पोशाक का भी अनावरण किया गया। पहली बार महिला खिलाड़ी भी पुरूष खिलाड़ियों की तरह गहरे नीले रंग की सूट में दिखेंगी। इस मौके पर खेल मंत्री ने स्टार निशानेबाज जीतू राय, बैडमिंटन खिलाड़ी एच एस प्रणय, पुरूष हाकी टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह , महिला हाकी टीम की कप्तान रानी रामपाल, हाकी खिलाड़ी रूपिंदर पाल सिंह, सविता पूनिया, निशानेबाज अनुराज सिंह, अनीश, जिम्नास्ट दीपा करमाकर, मोहम्मद बाबी, गौरव कुमार और प्रणिता दास को पोशाक सौंपी। दीपा हालांकि चोटिल होने के कारण राष्ट्रमंडल खेलों में भाग नहीं लेगी। रियो ओलंपिक में प्रत्येक खिलाड़ी का एक करोड़ रूपये का बीमा करने वाले एडिलवाइज टोकियो लाइफ इन्स्योरेन्स ने राष्ट्रमंडल खेलों में प्रत्येक खिलाड़ी का 50 लाख रुपये का जीवन बीमा करने की भी घोषणा की। एडिलवाइज इस साल होने वाले राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के अलावा 2020 तोक्यो ओलंपिक के लिये भी भारतीय दल का प्रायोजक होगा।

युवराज और कपिल देव लेंगे लारेस विश्व खेल पुरस्कार में हिस्सा

मोनाको। भारतीय क्रिकेटर कपिल देव और युवराज सिंह सहित दुनिया के अपने अपने खेलों के दिग्गज खिलाड़ी 27 फरवरी को यहां होने वाले लारेस विश्व खेल पुरस्कार 2018 में हिस्सा लेंगे। कपिल जहां आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ के साथ लारेस विश्व खेल पुरस्कारों के अकादमी सदस्य हैं वहीं युवराज ब्रांड दूत के रूप में यहां पहुंचे हैं।

जो अन्य शीर्ष खिलाड़ी इसमें शिरकत करेंगे उनमें जर्मन टेनिस स्टार बोरिस बेकर, अमेरिकी टेनिस दिग्गज मार्टिना नवरातिलोवा, मोनिका सेलेस, पोल वॉल्ट के दिग्गज खिलाड़ी सर्गेई बुबका, अपने जमाने की मशहूर जिम्नास्ट नादिया कोमोनेची, शीर्ष एथलीट माइकल जानसन, अमेरिका के चोटी के तैराक मार्क स्पिट्ज और मिसी फ्रैंकलिन शामिल हैं।

भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया ने छोड़ी तृणमूल कांग्रेस

कोलकाता। भारत की फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान बाईचुंग भूटिया ने तृणमूल कांग्रेस छोड़ने के अपने फैसले की आज घोषणा की। फुटबॉल खिलाड़ी तृणमूल के टिकट पर दो बार चुनाव लड़े लेकिन दोनों ही बार उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने फैसले की घोषणा की। भूटिया ने ट्वीट किया,'आज मैंने अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस पार्टी की सदस्यता और सभी आधिकारिक तथा राजनीतिक पदों से आधिकारिक तौर पर इस्तीफा दे दिया। अब मैं भारत के किसी भी राजनीतिक दल से जुड़ा हुआ या किसी भी राजनीतिक दल का सदस्य नहीं हूं।'

भूटिया ने 2014 लोकसभा चुनाव दार्जीलिंग से लड़ा था और 2016 विधानसभा चुनाव सिलीगुड़ी से लड़ा था। दोनों चुनाव में वह हार गए थे। भूटिया के पार्टी से इस्तीफा देने के बारे में तृणमूल ने कोई टिप्पणी नहीं की। सूत्रों ने बताया कि भूटिया ने अपने फैसले की जानकारी पार्टी को एक महीना पहले दे दी थी। सूत्रों ने बताया कि किसी भी सियासी दल के साथ जुड़ने में भूटिया की अब कोई दिलचस्पी नहीं है।

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने चेल्सी को 2-1 से चटाई धूल

मैनचेस्टर। रोमेलु लुकाकु ने बड़े मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाने की अपनी क्षमता पर उठ रहे सवालों का करारा जवाब देते हुए कल यहां गोल दागा और निर्णायक गोल करने में मदद की जिससे मैनचेस्टर यूनाईटेड इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबाल में चेल्सी को 2-1 से हराने में सफल रहा। लुकाकु प्रीमियर लीग में चोटी के टीमों के खिलाफ पिछले छह मैचों में गोल नहीं कर पाये थे जिसके बाद उनकी योग्यता पर सवाल उठने लग गये थे।

लेकिन कल वह महत्वपूर्ण मैच में गोल करने में सफल रहे। चेल्सी ने विलियम्स के आधे घंटे का खेल पूरा होने से ठीक पहले किये गये गोल से बढ़त बनायी। लुकाकु ने हालांकि 39वें मिनट में बराबरी का गोल दागा और फिर निर्णायक गोल करने में अपनी भूमिका निभायी। उनके शानदार क्रास पर यह गोल जेसी लिंगार्ड ने किया।

कोच के रूप में ग्रेग चैपल को लेकर संदेह में थें इयान चैपल: गांगुली

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

ग्रेग चैपल को 2005 में भारतीय टीम का कोच बनाने को लेकर यहां तक कि उनके भाई इयान चैपल का रवैया भी सकारात्मक नहीं था और सुनील गावस्कर की भी सोच ऐसी ही थी लेकिन सौरव गांगुली ने कहा कि उन्होंने इन सभी चेतावनियों को नजरअंदाज करने का फैसला करके उनकी नियुक्ति को लेकर अपनी अंतरात्मा की आवाज पर विश्वास किया। चैपल की कोच पद पर नियुक्ति से पहले गांगुली ने उनकी मदद ली थी। यहां तक वह 2003 के आस्ट्रेलिया दौर से पहले वहां के मैदानों की जानकारी लेने तथा खुद की और अपने साथियों की तैयारियों के सिलसिले में गोपनीय दौरे पर भी गये थे।

उन्होंने चैपल से संपर्क किया क्योंकि उनका मानना था कि उनके मिशन में मदद करने के लिये सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति होंगे। गांगुली ने अपनी आत्मकथा ''ए सेंचुरी इज नॉट इनफ'' में लिखा है, ''अपनी पिछली बैठकों में उन्होंने मुझे अपने क्रिकेटिया ज्ञान से काफी प्रभावित किया था।'' गांगुली को तब पता नहीं था कि यह साथ उस दौर का सबसे विवादास्पद साथ बन जाएगा।ग्रेग की नियुक्ति के बारे में इस पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा कि 2004 में जब जान राइट की जगह पर नये कोच की नियुक्ति पर चर्चा हुई तो उनके दिमाग में सबसे पहला नाम चैपल का आया।उन्होंने लिखा, ''मुझे लगा कि ग्रेग चैपल हमें चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में नंबर एक तक ले जाने के लिये सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति होंगे। मैंने जगमोहन डालमिया को अपनी पसंद बता दी थी।'' गांगुली ने कहा, ''कुछ लोगों ने मुझे ऐसा कदम नहीं उठाने की सलाह दी थी। सुनील गावस्कर भी उनमें से एक थे। उन्होंने कहा था सौरव इस बारे में फिर से सोचो। उसके (ग्रेग) साथ रहते हुए तुम्हें टीम के साथ दिक्कतें हो सकती हैं। उसका कोचिंग का पिछला रिकार्ड भी बहुत अच्छा नहीं रहा है।''

उन्होंने कहा कि डालमिया ने भी एक सुबह उन्हें फोन करके अनिवार्य चर्चा के लिये अपने आवास पर बुलाया था। गांगुली ने कहा, ''उन्होंने विश्वास के साथ यह बात साझा की कि यहां तक उनके (ग्रेग के) भाई इयान का भी मानना है कि ग्रेग भारत के लिये सही पसंद नहीं हो सकते हैं। मैंने इन सभी चेतावनियों को नजरअंदाज करने का फैसला किया और अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनी।'' उन्होंने कहा, ''इसके बाद जो कुछ हुआ वह इतिहास है। लेकिन यही जिंदगी है। कुछ चीजें आपके अनुकूल होती हैं जैसे कि मेरा आस्ट्रेलिया दौरा और कुछ नहीं जैसे कि ग्रेग वाला अध्याय। मैंने उस देश पर जीत दर्ज की लेकिन उसके एक नागरिक पर नहीं।''

चार साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म

गांधीनगर । जिले के पेथापुर गांव में घर के बाहर सो रही चार साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। लहूलुहान हालत में बच्ची को गांधीनगर के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने फोरेंसिंक विशेषज्ञों के साथ मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक गांधीनगर जिले के पेथापुर में मजदूरी करनेवाला एक परिवार खुली जगह में रहता है। परिवार में पति-पत्नी के अलावा 2 पुत्र और 4 पुत्रियां समेत 6 संतानें हैं। छह भाई-बहनों में सबसे छोटी चार वर्षीय बच्ची रात 10.30 बजे अपने पिता के साथ सो रही थी। रात करीब 1.45 बजे चार वर्षीय बच्ची निवास से कुछ दूरी पर लहूलहान हालत में मिली। बच्ची की रोने की आवाज सुनकर परिवार ने उसे खोज निकाला। बच्ची के शरीर से शोर्ट गायब था। बच्ची को फौरन गांधीनगर के अस्पताल ले जाया गया। जहां मेडिकल जांच में बच्ची के साथ दुष्कर्म होने की पुष्टि हुई। बच्ची के चाचा की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। फोरेंसिक एक्सपर्ट ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ पडौसियों से पूछताछ की है। पुलिस को आशंका है कि परिवार के किसी करीबी शख्स ने ही बच्ची के साथ दुष्कर्म किया है। फिलहाल पुलिस फोरेंसिक एक्सपर्ट के साथ मामले की जांच कर रही है।

बीआटीएस बस की चपेट में आने से युवती की मौत

अहमदाबाद । शहर के अखबारनगर सर्किल के पास बीआरटीएस बस चालक ने एक एक्टिवा चालक युवती को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में युवती की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु की है। सूत्रों के मुताबिक अहमदाबाद शहर के अखबारनगर सर्किल पर से एक्टिवा पर एक युवती गुजर रही थी। इस दौरान पीछे से आ रही बीआरटीएस बस ने एक्टिवा को अपनी चपेट में ले लिया। बस की टक्कर से एक्टिवा पर सवार युवती उछलकर सड़क पर जा गिरी। इस हादसे में गंभीर रुप से घायल युवती की मौत हो गई। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। युवती की मौत से

गुस्साए लोगों ने बस में तोड़फोड़ कर दी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने तत्काल घटनास्थल पहुंचकर युवती के शव को पोस्टमोर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस की प्राथमिक जांच से पता चला है कि मृतक युवती राजस्थान के सिरोही की थी और उसका नाम नेहा शर्मा था। युवती ने कान में ईयर फोन लगाए होने के कारण बस चालक का होर्न नहीं सुनाई दिया और उसकी बस की चपेट में आने से मौत हो गई। उल्लेखनीय है कि बीआरटीएस बस की चपेट में आने से युवती की मौत की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी बीआरटीएस बस की चपेट में आने से कई जानें चली गई है।

ट्रक और जीप के बीच भीषण दुर्घटना में 7 की मौत, 21 घायल

साबरकांठा । विजयनगर की बीएड कॉलेज के निकट आज सुबह ट्रक और जीप के बीच हुई भीषण दुर्घटना में 7 लोगों की मौत हो गई। जबकि 21 लोग घायल हो गए। घायलों को खेडब्रह्मा और हिम्मतनगर के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक सोमवार की सुबह साबरकांठा जिले में एक ट्रक रेत लादने जा रहा था। उस वक्त जिले के विजयनगर बीएड कॉलेज के निकट मजदूरों से भरी जीप और ट्रक के बीच जबर्दस्त भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि जीप के परखच्चे उड़ गए और जीप में सवार एक मजदूर की ट्रक व जीप के बीच फंसने से मौत हो गई। हादसे में घटनास्थल पर तीन लोगों ने दम तोड़ दिया। जबकि दुर्घटना में घायल अन्य 25 लोगों को खेडब्रह्मा के जनरल अस्पताल और हिम्मतनगर के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उपचार के दौरान चार लोगों की मौत हो गई। अन्य 21 लोगों का उपचार चल रहा है, जिसमें कई लोगों की हालत गंभीर बताई गई है। हादसे में मारे गए ज्यादातर लोग नवापगा खारा बेडी के निवासी हैं और ईडर के चोरवाड में आलू निकालने के लिए जीप में जा रहे थे, उस वक्त यह दुर्घटना हुई।

ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने पर कांग्रेस विधायकों के नाम चालान कटे

गांधीनगर । यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर आज पाटण और धोराजी से कांग्रेस विधायकों के नाम चालान काटे गए। आरटीओ द्वारा डेढ़ घंटे की कार्यवाही के दौरान विधायकों के अलावा डिप्टी कलेक्टर समेत आधा दर्जन अधिकारी और कर्मचारियों के चालान काटे गए। गुजरात विधानसभा का बजट सत्र चल रहा है और आज सचिवालय परिसर के गेट नंबर 1 के निकट आरटीओ ने यातायात नियमन अभियान चलाया था। जिसमें सीट बेल्ट, लाइसंस, हेल्मेट इत्यादि जैसे यातायात नियमों का उल्लंघन करनेवाले वाहन चालकों को दंडित किया। इस कार्यवाही के दौरान पाटण से कांग्रेस विधायक किरीट पटेल और धोराजी से कांग्रेस विधायक ललित वसोया की कार को केश मेमो जारी किया गया।

सूरत में राजस्थान के ब्यावर में हुए हादसे में जान गवाने वाले मृतकों को श्रद्धांजली दी गई

सूरत। 16 फरवरी 2018 को राजस्थान के अजमेर जिले के ब्यावर में कुमावत समाज भवन में हुए सिलेंडर ब्लास्ट में भायवह हादसे में 19 लोगों के दु:खद निधन हुआ था। इस दु:खद घटना से सम्पूर्ण नामदेव छिपा समाज सहित सर्व समाज द्वारा असहनीय दर्द और विषाद से उन हतभागी मृतात्मां की आत्म शांति के हेतु वैष्णोदेवी मंदिर, उमा भवन के पास, भटार रोड़, सूरत में रविवार को प्रात: 11 बे अश्रुपूर्ण श्रद्धांजली दी गई। श्रद्धांजलि सभा के साथ समूह प्रार्थना भी की गई। इस शोकग्रस्त घटना से समाज को जो क्षति हुई उसे पूर्ण करना तो सम्भव नहीं है, पर ईश्वर से प्रार्थना है कि ऐसी दुर्घटना किसी के साथ न हो। मृतकों की दिव्य आत्मा की शांति हेतु नामदेव छिपा समाज और सूरत में निवासित राजस्थान के सर्व समाज के हितैषीजन उपस्थित रहे। श्रद्धांजली सभा में नामदेव छिपा समाज और अन्य सभी शोकाकूल समाजबंधु उपस्थित रहे।

एलसीबी ने किया अफीम की खेती का पर्दाफाश

सुरेन्द्रनगर । जिले के वेलाला गांव की सीमा में गैरकानूनी रुप से चल रही अफीम की खेती का एलसीबी ने पर्दाफाश करते हुए बाडे के मालिक को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई शुरु कर दी है। सुरेन्द्रनगर जिले में बड़ी मात्रा में कपास की बुवाई की जाती है।

परंतु पिछले कुछ वर्षों से किसानों ने खेती में बदलाव कर नकदी फसल जीरा, चना, गेहूं की फसलें लेना शुरु कर दिया है। परंतु मूली तहसील के वेलाला गांव के किसान भरत गोरधनभाई झेझरिया ने अपने खेत में गैरकानूनी रुप से अफीम की बुवाई कर दी। परंतु अफीम के लहराते हुए पौधे दिखाई देने पर समग्र मामले का पर्दाफाश हुआ। इस मामले की जानकारी मिलते ही रेन्ज आईजी डी.एन.पटेल और एसपी दीपककुमार ने पुलिस की टीम ने साथ घटनास्थल पहुंचकर अफीम की खेती की पर्दाफाश किया। पुलिस ने समग्र इलाके के कोर्डन कर एफएसएल की मदद से जांच शुरु कर दी है।

अहमदाबाद शहर के जन्मदिवस के अवसर पर यूनिवर्सिटी रोड पर की दीवार पर विद्यार्थियों ने पेइन्टिंग करके ध्यान आकर्षित किया गया ।

राज्य की 49 नगर पालिकाओं में भाजपा का शासन

अहमदाबाद । राज्य की 49 नगर पालिकाओं की सत्ता का कमान भाजपा के हाथ में है और इनमें पदाधिकारियों की नियुक्ति कर दी है। प्रदेश मीडिया सेल के मुताबिक कल और आज 68 नगर पालिकाओं में पदाधिकारियों की नियुक्ति प्रक्रिया के तहत आज 49 नगर पालिकाओं में पार्टी ने अपने पदाधिकारियों की नियुक्ति कर दी है। हाल में 75 नगर पालिकाओं के चुनाव में भाजपा ने शानदार जीत हासिल की थी। आज 68 नगरप पालिकाओं में पदाधिकारियों की नियुक्ति प्रक्रिया के तहत पूर्ण बहुमत वाली 43 नगर पालिकाओं के अलावा कालोल, धंधुका और थराद में नगर पालिका में भाजपा ने सत्ता की कमान संभाल ली है। इसके गारियाधार, पारडी और खेडब्रह्मा में भाजपा और कांग्रेस को बराबर की सीट मिलने से नतीजा टाई हो गया था। इन तीनों नगर पालिकाओं पर भी भाजपा का कब्जा हो गया है।

विधानसभा में जिग्नेश का माइक 40 सेकेंड में बंद

नहीं उठा सके वणकर केस

गांधीनगर। गुजरात की विधानसभा में जिग्नेश मेवाणी को सोमवार को केवल 40 सेकेंड का समय ही मिल सका। वह सदन में दलित सामाजिक कार्यकर्ता भानुभाई वणकर के केस पर बोल रहे थे। गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष ने 40 सेकेंड बाद मेवाणी का माइक बंद करने का आदेश दे दिया। उन्हें यह मामला सदन में नहीं उठाने दिया गया। यह मामला इस समय गुजरात में सुर्खियों में है। मेवाणी ने कहा कि सरकार के कदम से लगता है कि वह इस मामले में किसी भी अधिकारी की जवाबदेही तय नहीं करेगी। उन्होंने गुजरात सरकार पर आरोप लगाया कि वह दलितों के विरोध में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि थानगढ़ प्रकरण की एसआईटी की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए। बता दें कि थानगढ़ में तीन दलित मारे गए थे। उन्होंने कहा कि उनकी जायज मांगें नहीं मानी जा रही हैं। पीड़ित परिवार को आठ लाख रुपए देने की घोषणा की गई थी, जो अब तक पूरी नहीं हुई है। दलितों को सरकार की ओर से आवंटित जमीन के कब्जे की मांग को लेकर दलित सामाजिक कार्यकर्ता भानुभाई वणकर ने पिछले हफ्ते कलेक्टर ऑफिस में खुद को आग लगा ली थी। बाद में गांधीनगर के अस्पताल में उनका निधन हो गया था। इसके बाद दलित नेता जिग्नेश मेवानी ने अहमदाबाद बंद का एलान किया था। हालांकि, उन्हें पुलिस ने इससे पहले ही हिरासत में ले लिया था।

पाटण कांड के लिए भाजपा सरकार जिम्मेदार : अल्पेश ठाकोर

गांधीनगर। कांग्रेस विधायक अल्पेश ठाकोर ने पाटण आत्मदाह कांड के लिए गुजरात की भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए आरोप लगाया कि वह अपनी जिम्मेदारियों से छटकने का प्रयास कर रही है। गत 16 फरवरी को पाटण कलेट्रेट पर भानुभाई वणकर नामक दलित शख्स ने आत्मदाह कर लिया था। वडगाम से निर्दलीय विधायक जिग्नेश मेवाणी आज गुजरात विधानसभा में इस मुद्दे को उठाया। हांलाकि जिग्नेश मेवाणी ने जैसे ही इस मामले पर बोलना शुरू किया, उनका माइक बंद कर दिया गया। जिसका जिग्नेश मेवाणी ने कड़ा विरोध किया। जिग्नेश मेवाणी के विरोध के बाद कांग्रेस विधायक भी उनके पक्ष में खड़े हो गए और माइक बंद करने की घटना की कड़ी आलोचना की। इस बारे में कांग्रेस विधायक अल्पेश ठाकोर ने पाटण आत्मदाह कांड के लिए गुजरात की भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि वह अपनी जिम्मेदारियों से बचने के लिए ऐसे प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि इस मामले में सरकार को संवेदनशील होनेकी जरूरत है। लेकिन ऐसा लगता है जैसे सरकार पूरी तरह से संवेदनहीन हो गई है। पाटण कांड की जांच कराने के बजाए सरकार इसे दबाने का प्रयास कर रही है।

शहर में गर्मी का प्रमाण बढ़ा : तापमान २२.० डिग्री

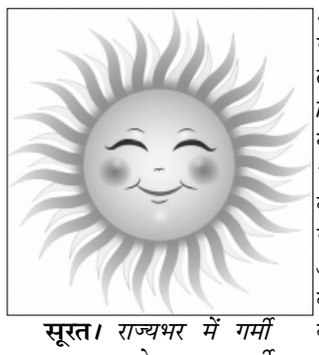

सूरत। *राज्यभर में गर्मी का प्रमाण बढ़ने पर अब गर्मी का अनुभव कर रहे हैं। राज्य के अधिकतर क्षेत्रों में महत्तम तापमान में तेजी से वृद्धि हो रही है। रविवार की तुलना में सोमवार को अधिकतर क्षेत्रों में महत्तम तापमान में वृद्धि होने पर तीव्र गर्मी का अनुभव दोपहर के समय में लोगों ने किया था। सोमवार को राज्य के कई हिस्सों में तापमान ३७ से ऊपर पहुंचा गया। पंखा और एसी का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। आगामी दिनों में पंखा और एसी के बाजार में तेजी आने के संकेत भी दिखाई दे रहे हैं। राज्य के कई हिस्सों में तापमान ३७ पर पहुंच गया था इसमें सूरत, अमरेली, सुरेन्द्रनगर, राज कोट भी शामिल है। गत वर्ष के जैसे इस वर्ष में तीव्र गर्मी का अनुभव होने की संभावना जानकार लोग व्यक्त कर रहे हैं। सुबह में फूलगुलाबी ठंडी का अनुभव सुबह के समय में हो रहा है। हालांकि दोपहर में गर्मी का अनुभव हो रहा है। दोहरी सिजन की वजह से लोग परेशान हो गये है। अहमदाबाद में मिश्र सिजन में मक्खीजनित और जलज नित बीमारी के केस में वृद्धि हुई है। फिलहाल में तापमान के बीच राज्य के कई क्षेत्रों में सर्दी, खांसी, दम, अस्थमा जैसी बीमारी के मरीजों की हालत बदतर हो चुकी है। अहमदाबाद सहित राज्यभर में अब मिश्र स्थिति देखने को मिल रही है। ठंडी और गर्मी का प्रमाण होने के कारण लोग परेशान हो गये है। राज्यभर में न्यूनत्तम तापमान में परिवर्तन होने के कारण अब इन्फेक्शन संबंधित बीमारी का खतरा भी बना हुआ है। अहमदाबाद में अब मिश्र मौसम देखने को मिल रहा है। अहमदाबाद सहित गुजरात के अधिकतर क्षेत्रों में मिश्र सिजन के बीच अब गर्मी का प्रमाण देखने को मिल रहा है। सभी जगहों पर अब पंखा और एसी का उपयोग होने लगा है।*

गुजरात में मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर की उपस्थिति का विस्तार

सुरत। पैथोलॉजी केंद्रों की बहुराष्ट्रीय और विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त श्रृंखलाए मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर लिमिटेडए ने आज गुजरात स्थित . संजीवनी पैथोलॉजी लैब का अधिग्रहण कियाए जिसकी स्थापना वर्ष 1993 में की गई थी। संजीवनी पैथोलॉजी लैबोरेटरी के पास सात कलेक्शन सेंटर तथा चार अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ हैं। अब यह मेट्रोपोलिस के 1000 से अधिक कलेक्शन सेंटर तथा 150 चिकित्सकीय प्रयोगशालाओं का एक हिस्सा बन गया है। अहमदाबाद स्थित संकेत मेट्रोपोलिस और सूरत स्थित देसाई मेट्रोपोलिस के साथ मौजूदा साझेदारी के अलावाए राजकोट में संजीवनी पैथोलॉजी के इस अधिग्रहण से पश्चिमी भारत में मेट्रोपोलिस की बाजार में हिस्सेदारी के साथ.साथ इसके दायरे का विस्तार होगा तथा सौराष्ट्र क्षेत्र में इस की उपस्थिति सुदृढ़ होगी। मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर विभिन्न प्रकार की जांच एवं परीक्षण सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह तैयार हैए जिसमें नियमित जांच से लेकर चार से पाँच घंटे की अवधि तक चलने वाले विशिष्ट चिकित्सा परीक्षण शामिल हैं। सेवाओं की विविधता एवं उच्च गुणवत्ता के साथ यह केंद्र न केवल गुजरात के लोगों को किफायती दरों पर पैथोलॉजी सुविधाएं उपलब्ध कराएगाए बल्कि आसपास के इलाकों में मौजूद कई अस्पतालों एवं नर्सिंग होम की जरूरतों को भी पूरा करेगा। इसके अलावाए ब्रांड मेट्रोपोलिस लैब से घर तक की सेवा उपलब्ध कराने के साथ. साथ नमूना लेने से एक दिन के भीतर परीक्षण के परिणाम प्रदान करने जैसी बहुत अधिक मांग वाली महत्वपूर्ण सेवाएं भी उपलब्ध कराएगा। अब राजकोट में भी केमेस्ट्रीए हेमटोलॉजीए सर्जिकल पैथोलॉजी और विशेषकर आनुवंशिकी के क्षेत्र से जुड़ी विशेष परीक्षण सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। इस मौके परए श्री विजेंद्र सिंहए मुख्य कार्यकारी अधिकारीए मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर लिमिटेडए ने कहाए -नवजयउत्तर. पश्चिमी भारत में हम अपने दायरे का तेजी से विस्तार कर रहे हैं ।

राज्य के 55000 वृद्ध निराधारों के बैंक खाते में सहायता राशि जमा

इंदिरा गांधी वृद्ध पेंशन योजना के तहत वृद्धों को पेंशन

गांधीनगर । सामाजिक एवं अधिकारिता मंत्री ईश्वरभाई परमार ने बताया कि राज्य के निराधारों का सरकार आधार बन रही है और इसके अंतर्गत 55000 निराधारों को मासिक रु. 500 की आर्थिक सहायता उनके खाते में सीधे जमा करवाई गई है। राज्य सरकार की इस पारदर्शिता का केन्द्र सरकार ने संज्ञान लेते हुए पुरस्कार भी प्रदान किया है। राज्य विधानसभा में दाहोद जिले में निराधारों को वृद्ध सहायता के प्रश्न के प्रत्युत्तर में ईश्वरभाई परमार ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दूरदराज के क्षेत्रों में निराधार वृद्धों को सहायता राशि डायरेक्ट बेनिफिसयरी ट्रान्सफर (डी.बी.टी.) द्वारा सीधे बैंक या पोस्ट के खाते में जमा की जा रही है। जिसकी वजह से बिचौलियों को सफाया हो गया है और पारदर्शिता बढ़ी है। यह योजना रु. 30 की सहायता से प्रारंभ हुई थी, जो आज बढ़कर रु. 500 हो गई है। जिसके लिए आवेदन पत्र कलेक्ट्रेट स्थित जनसेवा केन्द्र में उपलब्ध हैं। सामाजिक मंत्री ने बताया कि दाहोज जिले में इस योजना के तहत 804 लाभार्थियों को रु. 23.77 लाख सहायता दी गई है।

दाहोद जिले में कुल 75 अर्जियां मिलीं, जिसमें से 34 आवेदन मंजूर किए गए हैं और 37 निरस्त किए गए। जिसकी वजह निर्धारित आय से अधिक आय होने, वयस्क पुत्र होने, कम आयु होने से, स्थल पर रहते नहीं होने और निधन होने से इन अर्जियों का नामंजूर किया गया।

सूरत स्टेशन पर बढ़ी एक और सुविधा, एस्केलेटर और लिफ्ट हुई शुरू

सूरत। सूरत रेलवे स्टेशन पर एक और सुविधा की वृद्धि की गई है। सोमवार से दो एस्केलेटर और दो लिफ्ट को शुरू कर दिया गया। गांधीनगर की सेफ्टी को सब कुछ सुरक्षित लगने पर अपनी सहमति का लायसंस दे दी है। अब रेलवे के यात्रियों के लिए और सुविधा मिलना शुरू हो गया है।

सोमवार को दो नए एस्केलेटर का उद्घाटन किया गया। करीब डेढ़ वर्ष के बाद इस एस्केलेटर को शुरू किया गया। गांधीनगर से आई सेफ्टी अधिकारियों की टीम ने बताया कि सब कुछ ठीक लगने पर लायसंस दे दिया है। हमारे सभी मापदंड की जांच पूरी हो गई है। जिससे सोमवार को सांसद सीआर पाटिल और सांसद दर्शना जरदोश के हाथों इसका उद्घाटन कराया गया।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com